कुमार जीवन - 39

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ महादानी बनकर दान करते चलो। जब स्वयं का भण्डारा भरपूर है तो बहुतों को दान देना चाहिए। सेवा को सदा आगे बढ़ाते चलो। ऐसे नहीं आज चांस मिला तो कर लिया, या जब चांस मिलेगा तब कर लेंगे। नहीं। जिसके पास खजाना होता है वह कहीं से भी गरीबों को ढूँढकर भी ढिंढोरा पिटवाकर भी दान जरूर करता है। क्योंकि उसे मालूम है **दान करने का पुण्य मिलता है।** वह दान तो विनाशी है और स्वार्थ का भी हो सकता है। आप सब तो अविनाशी खज़ानों के महादानी हो। तो सेवा को बढ़ाओ। रेस करो, महादानी बनो।

➳ _ ➳ निश्चय से करो, ऐसे नहीं सोचो धरनी ऐसी है। अब समय बदल गया, समय के साथ धरनी भी बदल रही है। पहले के धरनी की जो रिजल्ट थी वह अभी नहीं। समय वायुमण्डल को बदल रहा है। आत्माओं की इच्छा भी बदल रही है, सब आवश्यकता अनुभव कर रहे हैं। अभी समय है, समय के प्रमाण सदा के महादानी बनो। वाचा नहीं तो मंसा, मंसा नहीं तो कर्मणा। कर्म द्वारा किसी आत्मा को परिवर्तन करना यह है कर्मणा। सम्पर्क द्वारा भी किसी आत्मा को परिवर्तन कर सकते हो। ऐसे सेवाधारी बनो। रोज रिजल्ट निकालो। **मंसा, वाचा, कर्मणा क्या सेवा की, कितनों की सेवा की। किस उमंग उत्साह से सेवा की? यह रोज़ की रिजल्ट स्वयं ही निकालो।**

➳ _ ➳ स्वयं और सेवा दोनों की रफ़्तार में आगे बढ़ो। अब कोई नवीनता करो। सेन्टर खोला, गीता पाठशाला खोली, मेला किया यह तो पुरानी बातें हो गई, नया कुछ निकालो। लक्ष्य रखो, अपने में और सेवा में कोई न कोई नवीनता ज़रूर लानी है। नहीं तो कभी थक जायेंगे, कभी बोर हो जायेंगे। **नवीनता होगी तो सदा उमंग उत्साह में रहेंगे।** अच्छा। **(11-05-1983)**

➢➢ विश्व की आत्माओं को हम क्या क्या दान दे सकते हैं ?

➳ _ ➳ पवित्रता का दान

➳ _ ➳ ज्ञान का दान

➳ _ ➳ गुणों का दान

➳ _ ➳ शक्तियों का दान

➳ _ ➳ शांति का दान

➳ _ ➳ ख़ुशी का दान

➳ _ ➳ वरदानो का दान

➳ _ ➳ सुखों का दान

➳ _ ➳ अनुभवों का दान

→ अशरीरी स्थिति का अनुभव

→ परमात्म प्रेम का अनुभव

→ परमात्म साथ का अनुभव

→ निस्वार्थ स्नेह का अनुभव

➢➢ दान कैसे दिया जाता है ?

➳ _ ➳ Giving Out Of Abundance

→ स्वयं को इतना भरपूर कर लें की

- दान दिए बिना हम रह न सकें

➳ _ ➳ Without Any Condition Or Expectation (बिना किसी शर्त के दान)

→ देने के बाद कुछ लेने की कामना न रहे